

© भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक  
[www.cag.gov.in](http://www.cag.gov.in)

<http://agua.cag.gov.in>

Printed at Shiva Offset Press, Dehradun Ph. 0135-2715748



राज्य के वित्त पर  
भारत के नियन्त्रक, महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन  
31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष के लिए



उत्तराखण्ड सरकार

## विषय-सूची

क्र. सं.	विषय	प्रस्तर	पृष्ठ सं.
1.	प्राक्कथन		v
2.	कार्यकारी सारांश		vii
<b>अध्याय-1</b> <b>राज्य सरकार का वित्त</b>			
3.	चालू वर्ष के राजकोषीय लेनदेन का सार	1.1	2
4.	राज्य के संसाधन	1.2	5
5.	राजस्व प्राप्तियाँ	1.3	8
6.	संसाधनों का उपयोग	1.4	12
7.	व्यय की गुणवत्ता	1.5	19
8.	सरकारी व्यय एवं निवेशों का विश्लेषण	1.6	22
9.	परिसम्पत्तियाँ एवं दायित्व	1.7	26
10.	ऋण-वहन क्षमता	1.8	28
11.	राजकोषीय असंतुलन	1.9	31
12.	निष्कर्ष	1.10	34
13.	संस्तुतियाँ	1.11	35
<b>अध्याय- 2</b> <b>वित्तीय प्रबन्धन और बजटीय नियंत्रण</b>			
14.	प्रस्तावना	2.1	37
15.	विनियोग लेखे का सारांश	2.2	37
16.	वित्तीय जबावदेही एवं बजट प्रबन्धन	2.3	38
17.	विभागीय आँकड़ों का असमाशोधन	2.4	45
18.	आकस्मिकता निधि से अग्रिम	2.5	47
19.	बजट प्रक्रिया में कमियाँ	2.6	49
20.	चयनित अनुदान की समीक्षा के परिणाम	2.7	50
21.	निष्कर्ष	2.8	51
22.	संस्तुतियाँ	2.9	52
<b>अध्याय- 3</b> <b>वित्तीय प्रतिवेदन</b>			
23.	उपयोगिता प्रमाण पत्रों के प्रस्तुतीकरण में विलम्ब	3.1	53
24.	विभागीय प्रबन्धित वाणिज्यिक उपक्रमों के सम्बन्ध में लेखाओं के प्रस्तुतीकरण में विलम्ब	3.2	54
25.	दुर्विनियोग, हानि, गबन आदि	3.3	54
26.	लघु शीर्ष 800-अन्य प्राप्तियाँ तथा अन्य व्यय के अन्तर्गत बुकिंग	3.4	55
27.	निष्कर्ष	3.5	56
28.	संस्तुतियाँ	3.6	57

परिशिष्ट		
स०	विवरण	पृष्ठ सं.
परिशिष्ट -1	राज्य का परिचय (उत्तराखण्ड)	59
परिशिष्ट 1.1	भाग अ: सरकारी लेखों का प्रारूप एवं संरचना भाग ब: वित्त लेखे का विन्यास	61/62
परिशिष्ट -1.2	भाग अ: राजकोषीय स्थिति के निर्धारण के लिए अपनाई गई कार्यविधि भाग ब: राजकोषीय दायित्व एवं बजटीय प्रबन्धन (एफ आर बी एम) अधिनियम, 2005	63/66
परिशिष्ट -1.3	राज्य सरकार के वित्त के समयबद्ध आँकड़े	69
परिशिष्ट -1.4	भाग अ: वर्ष 2011-12 के लिए प्राप्तियों एवं संवितरणों का सार भाग ब: 31 मार्च 2012 को उत्तराखण्ड सरकार की सारांशित वित्तीय स्थिति	73/77
परिशिष्ट -1.5	वर्ष 2011-12 के दौरान राज्य कार्यान्वयन अभिकरणों को कार्यक्रमों/योजनाओं के अन्तर्गत राज्य बजट से बाहरी अन्तरित निधियों को दर्शाती विवरणी	80
परिशिष्ट -1.6	विभाग द्वारा प्रबन्धित वाणिज्यिक/अर्द्ध वाणिज्यिक उपक्रमों के सारांशित वित्तीय विवरण	82
परिशिष्ट -2.1	विभिन्न अनुदानों/विनियोगों का विवरण जिसमें निधियों के उपयोग में बचत/न्यूनता ₹ 1 करोड़ से अधिक थी या कुल प्रावधान के 20 प्रतिशत से अधिक था	83
परिशिष्ट -2.2	विभिन्न अनुदानों/विनियोगों का विवरण जिसमें व्ययाधिक्य प्रत्येक में ₹ 1 करोड़ से अधिक थी या कुल प्रावधान के 20 प्रतिशत से अधिक था	86
परिशिष्ट -2.3	ऐसे प्रकरण जिसमें अनुपूरक प्रावधान (प्रत्येक मामले में ₹ 10 लाख या अधिक) अनावश्यक सिद्ध हुए	87
परिशिष्ट -2.4	विभिन्न अनुदानों/विनियोगों का विवरण जिसमें ₹ 1 करोड़ से अधिक के अनुपूरक प्रावधान अपर्याप्त सिद्ध हुए	90
परिशिष्ट -2.5	₹ 10 लाख या अधिक की बचत(निधियों के उपयोग में कमी) / आधिक्य में परिणत निधियों का अधिक/अनावश्यक/अपर्याप्त पुनिर्विनियोग	91
परिशिष्ट -2.6	वर्ष 2011-12 के दौरान किए गए भारी अभ्यर्पण	93
परिशिष्ट -2.7	भाग अ: वास्तविक बचत से अधिक अभ्यर्पण (₹ 50 लाख या अधिक) भाग ब: अन्तिम आधिक्य के बावजूद अभ्यर्पण	94/95
परिशिष्ट -2.8	विभिन्न अनुदानों/विनियोगों का विवरण जिसमें ₹ 10 करोड़ या अधिक की बचत हुई परन्तु उसका कोई भी अंश अभ्यर्पित नहीं किया गया	96
परिशिष्ट -2.9	₹ 1 करोड़ एवं उससे अधिक की निधियों के उपयोग में बचत/न्यूनता के विवरण जिन्हें अभ्यर्पित नहीं किया गया	97
परिशिष्ट -2.10	30/31 मार्च 2012 को ₹ 10 करोड़ से अधिक की निधियों के अभ्यर्पण के प्रकरण	99
परिशिष्ट -2.11	व्यय की तीव्रता	101
परिशिष्ट -2.12	वर्ष 2011-12 तक के लंबित डी. सी. बिल	103

परिशिष्ट - 3.1	विभाग द्वारा प्रबन्धित वाणिज्यिक एवं अर्द्ध-वाणिज्यिक उपक्रमों में लेखों के अन्तिमीकरण एवं सरकारी निवेश का विवरण	104
परिशिष्ट -3.2	दुर्विनियोग, चोरी/हानि आदि के कारण सरकार को हुई हानि के मामलों का विभागवार/अवधिवार विवरण (वे मामले जिनमें मार्च 2012 के अन्त में अन्तिम कार्रवाई लम्बित थी)	105
परिशिष्ट -3.3	चोरी, दुर्विनियोग/सरकारी सामग्री की हानि के कारण सरकार को हुई हानि के मामलों का विभागवार/श्रेणीवार विवरण	106
परिशिष्ट -4.1	शब्दावली	107